Seventeenth Loksabha

an>

Title: Re. Compensation of financial loss to farmers due to low rainfall and drought like situation in the Palamau and Garhwa District of Jharkhand.

श्री विष्णु दयाल राम (पलामू): महोदया, आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद ।

महोदया, मैं एक अति महत्वपूर्ण विषय की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, जिसका संबंध न केवल मेरे राज्य से है, बल्कि आपके राज्य से भी है और कतिपय अन्य राज्यों से है, जहाँ पर इस साल वर्षा बहुत कम हुई है ।

महोदया, जैसा कि आप जानती हैं कि दुनिया के साथ-साथ भारत में भी वर्षा का पैटर्न बदल रहा है । झारखंड राज्य तो यूँ भी ड्राउट प्रोन राज्यों में से रहा है और जिस संसदीय क्षेत्र का मैं प्रतिनिधित्व करता हूँ, वह तो रेन शैडो एरिया में आता है । वहाँ पर हर अल्टरनेट ईयर में सुखाड़ या अकाल जैसी स्थिति रहती है । चालू वर्ष में हमारे क्षेत्र में वर्षा में भारी कमी हुई है और जून-जुलाई के महीने में झारखंड में क्रमश: 154.4 मिलीमीटर और 344.60 मिलीमीटर ही वर्षा हुई है, जबकि गत वर्ष जून और जुलाई महीने में इससे कहीं ज्यादा कम वर्षा हुई थी । जुलाई, 2022 में 23 जिलों में बारिश बहुत कम हुई है । झारखंड के विशेषकर 5 जिले पलामू, गढवा, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ में इस दौरान बिल्कुल वर्षा नहीं हुई है । इससे राज्य के किसानों को भारी नुकसान हुआ है । उल्लेखनीय है कि राज्य की 80 प्रतिशत आबादी कृषि पर ही निर्भर करती है । इस जुलाई माह में कुल खरीफ लक्ष्य की मात्र 19 प्रतिशत ही बुआई हुई है, वह भी बिचड़ा खेत में ही सूख गया है, जबकि लक्ष्य करीब-करीब 1 लाख 35 हजार 970 हैक्टेयर में बुआई का था । इसके अलावा मक्का और तिलहन फसल की भी अब कोई गुंजाइश नहीं रह गई है, क्योंकि वर्षा नाममात्र की भी नहीं हुई है । इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि झारखंड राज्य को सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने तथा आने वाले महीनों में खाद्य संकट के किसी भी प्रभाव को कम करने और पशुओं के लिए चारे का प्रबंध करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है ।

महोदया, मैं साथ-साथ केंद्र सरकार से माँग करता हूँ कि झारखंड के किसानों को हुई आर्थिक क्षति का आकलन और खासकर पलामू और गढवा जिलों में सुखाड़ से हुए नुकसान का आकलन, राज्य के फसल पैटर्न का विश्लेषण करने और राज्य के वर्षा पैटर्न में बदलाव के चलते वैकल्पिक फसल पैटर्न और विधियों के लिए विशेष टास्क फोर्स गठन करने की कृपा की जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय सभापति: नदी से नदी जोड़ने की बात भी तो बोलिए ।

श्री विष्णु दयाल राम: महोदया, नदी से नदी जोड़ने की जो महत्वपूर्ण योजना केन्द्रीय सरकार की है, उसे जल्द से जल्द पूरा करने की आवश्यकता है । धन्यवाद ।